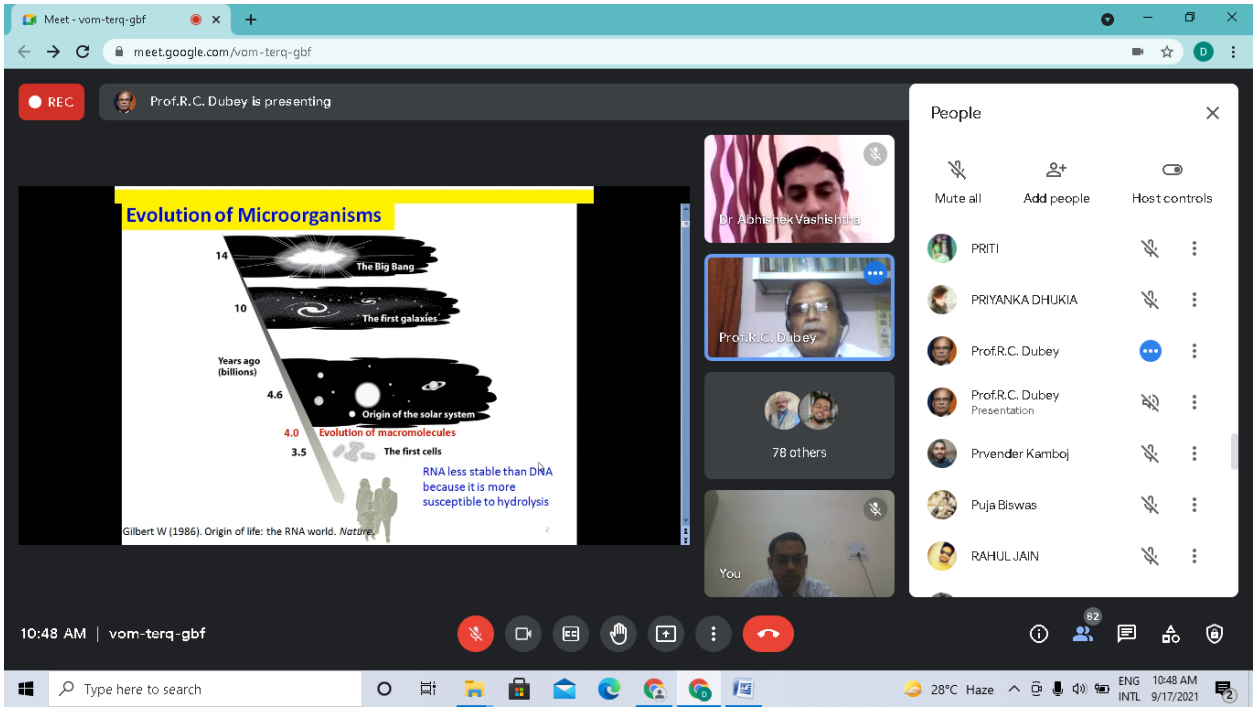

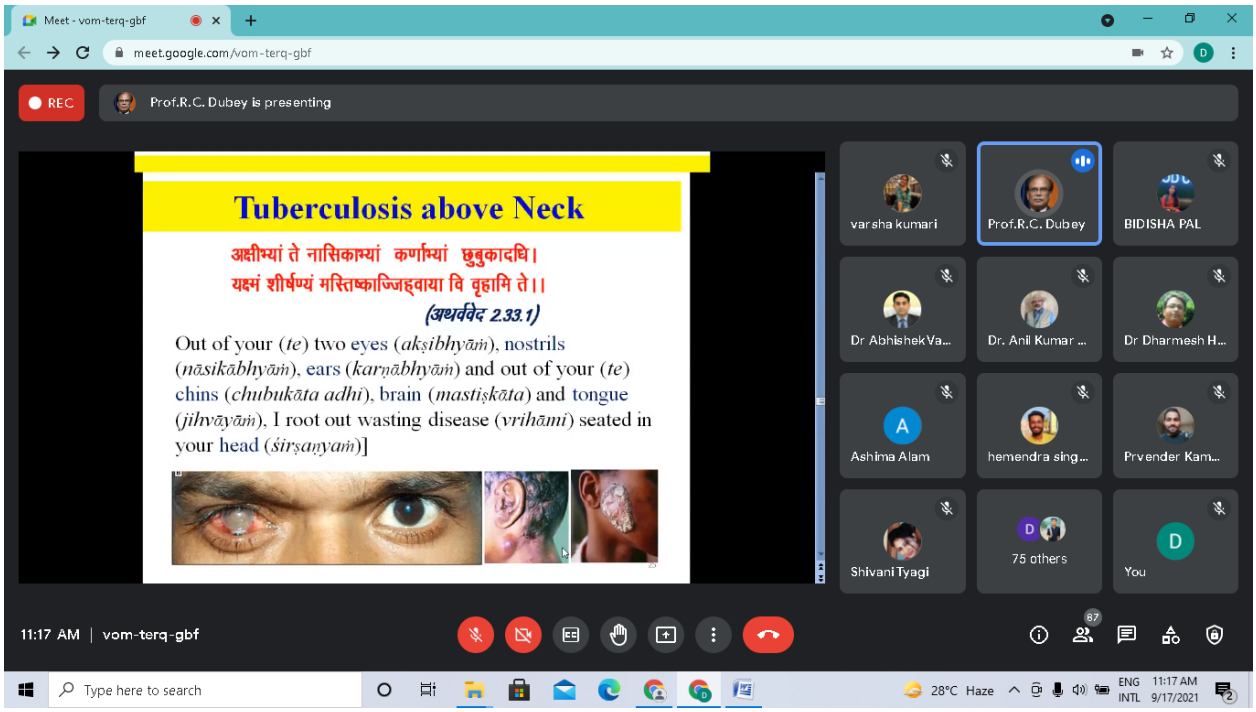

Prof. R.C. Dubey (Gurukul Kangri University, Haridwar) Delivering Lecture on “Promises and Challenges with Microorganisms” on the occasion of International Microorganism day (17.09.2021)

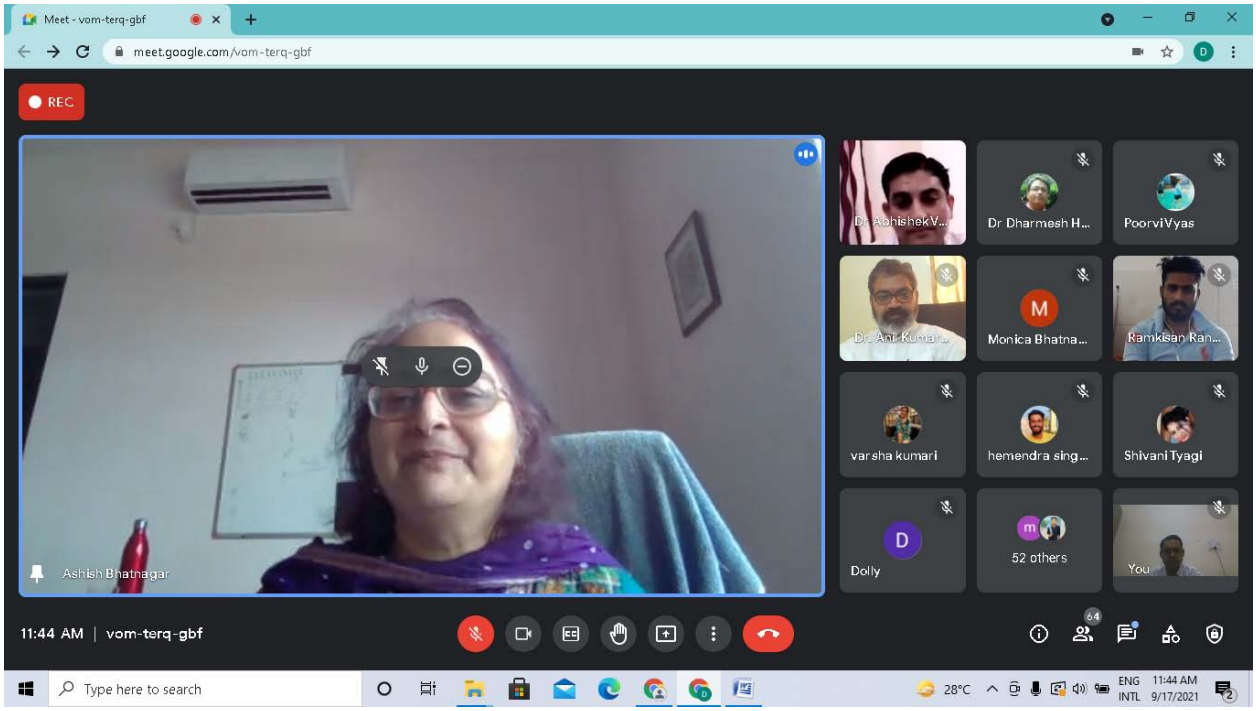

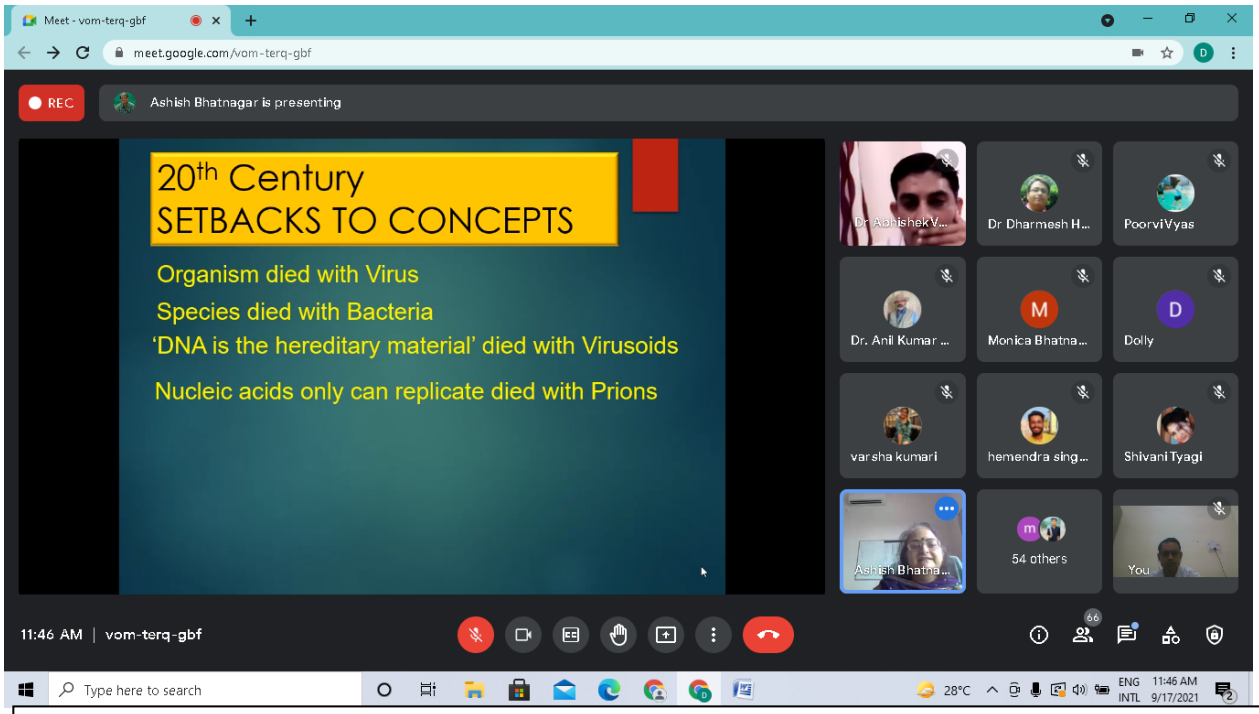

Prof. Monica Bhatnagar (M.D.S, University, Ajmer) Delivering Lecture on "20th Century Setbacks to Concepts" on the occasion of International Microorganism day (17.09.2021)

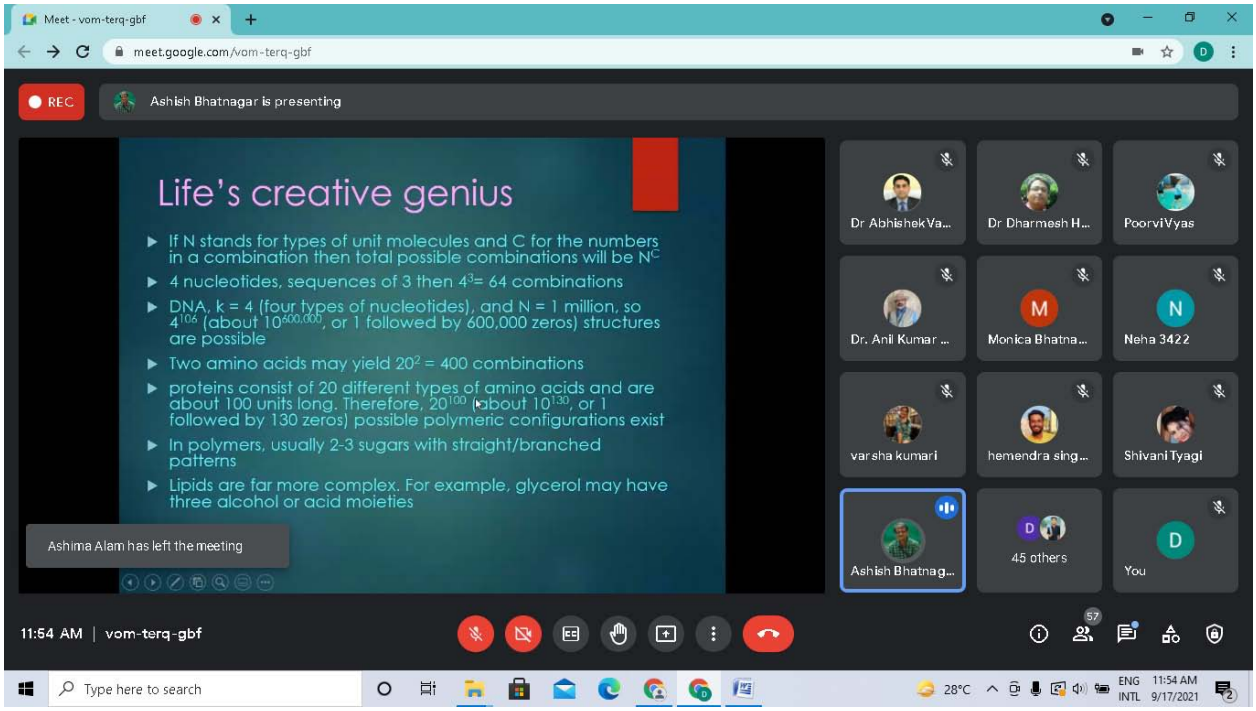

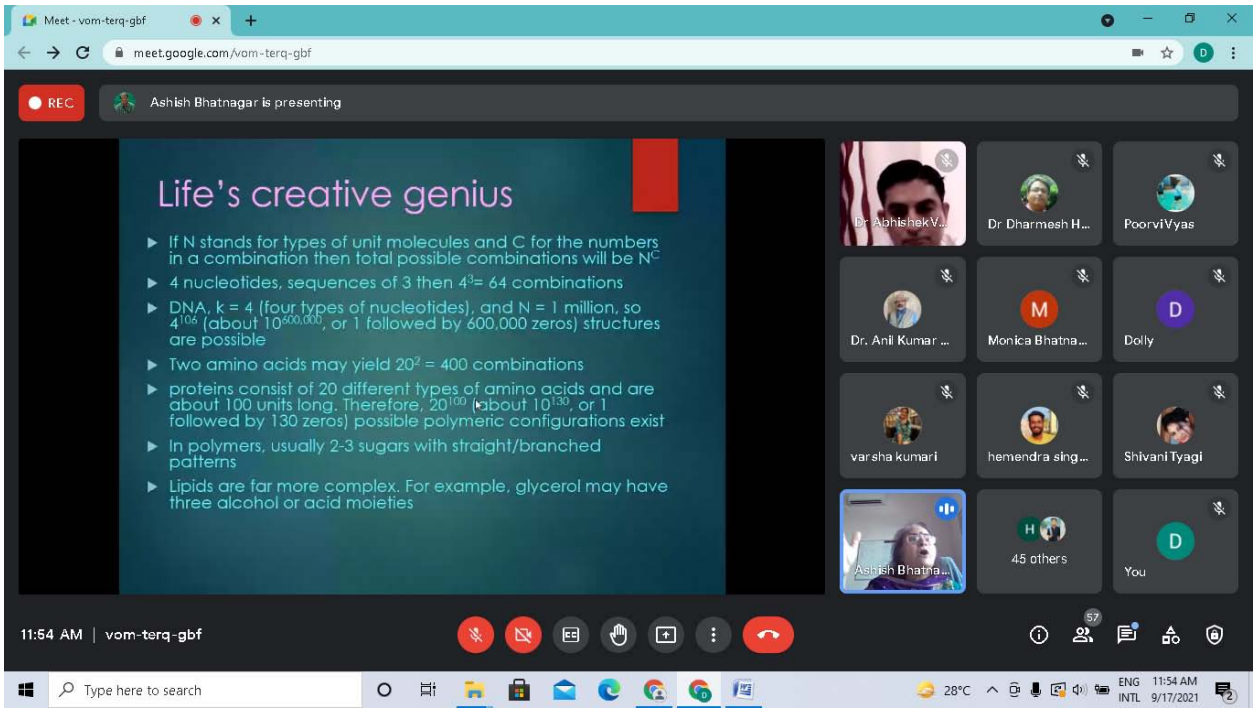

Around 60 participants from different Universities & Colleges across the Nation attendant the programme on the occasion of International Microorganism day (17.09.2021)

Antibiotic Resistance Awareness Programme

(November 24, 2020)

Dr. Gautam Kumar Meghwanshi

Department of Microbiology

Maharaja Ganga Singh University, Bikaner

Webinar on World Antibiotic Awareness Programme

(Nov 24, 2020)

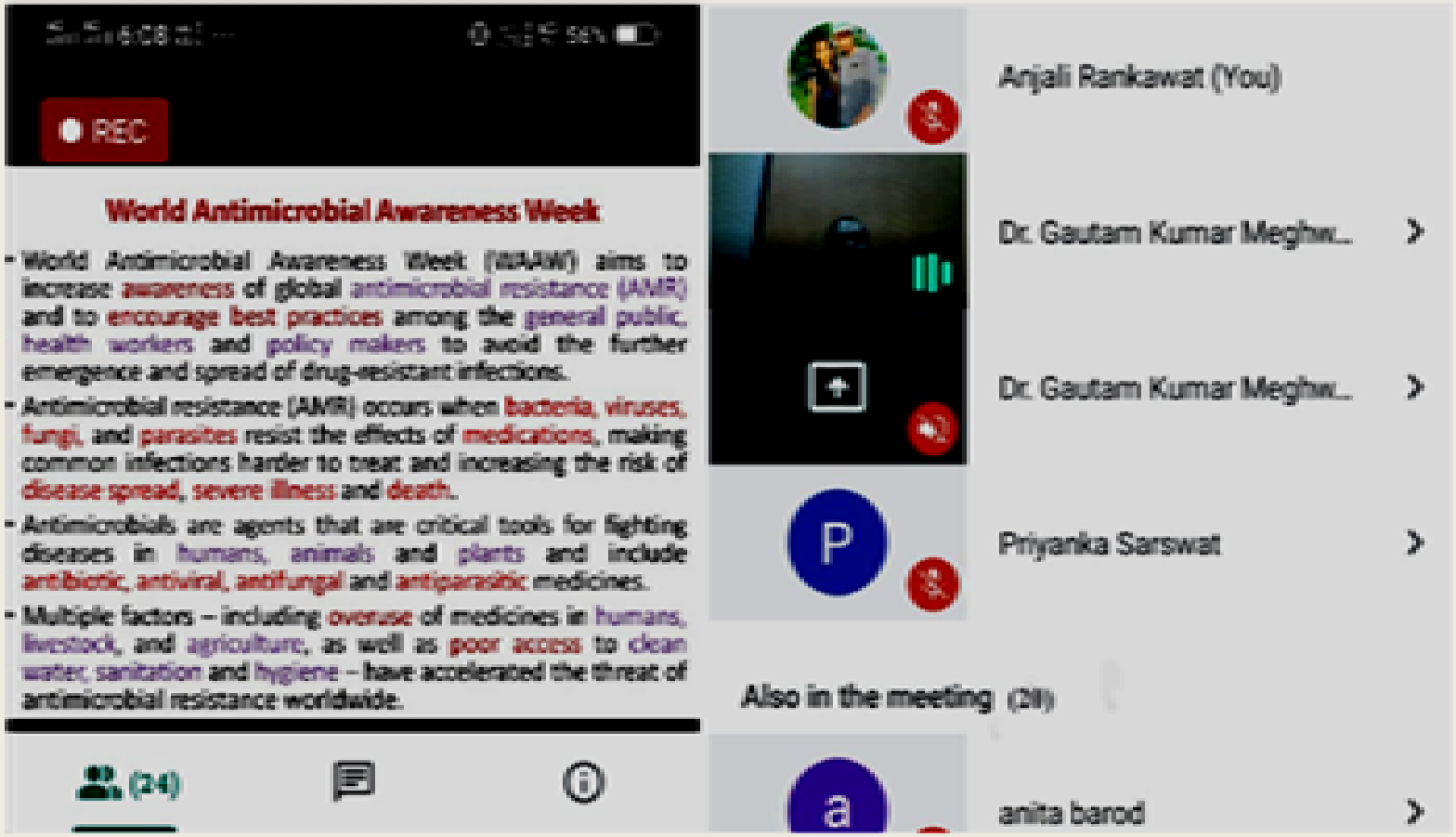

Awareness lecture was delivered by Dr. Gautam Kumar Meghwanshi on Antibiotic Resistance among microorganisms on the occasion of World Antibiotic Awareness Programme (24-11-2020)

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, MGS UNIVERSITY, BIKANER
&
MICROBIOLOGISTS SOCIETY, INDIA
Jointly Organizes

International Webinar on
"Current Challenges and Future Prospects in Microbiology"

Prof. Vinod Kumar Singh
Vice Chancellor
MGS University, Bikaner
Patron

INVITED SPEAKERS

Prof. Arvind Deshmukh
President,
Microbiologists Society, India

Prof. Ashish Bhatnagar
Head,
Deptt of Microbiology
MDS University, Ajmer

Prof. Tanzima Yeasmin
Deptt. of Biochem. & Mol. Biology,
University of Rajshahi, Bangladesh

Prof. Monica Bhatnagar
Deptt. of Microbiology,
MDS University, Ajmer

Prof. Praveen Gehlot
Deptt. of Botany,
JNV University Jodhpur

Dr. Sarvesh Soni
Research Scientist,
RMIT University, Australia

ORGANIZING COMMITTEE

Prof. A. K. Chhangani
Head,
Department of Microbiology
MGS University, Bikaner
Chairman

Dr. Gautam Kumar Meghwanshi
Assistant Professor
Department of Microbiology
MGS University, Bikaner
Organizing Secretary

Dr. Dharmesh Harwani
Assistant Professor
Department of Microbiology
MGS University, Bikaner
Coordinator

Dr. Abhishek Vashishtha
Assistant Professor
Department of Microbiology
MGS University, Bikaner
Coordinator

Date: 15-6-2021 (Tuesday)
Time : 11.00AM

Registration Link : https://forms.gle/KZ889XkSRvS5JPob8
Link to join: https://technicalteam2.webex.com/meet/drharwani
Catch us live on YouTube : https://youtube/SnGBuSUGpPI
or go directly to MGSU Bikaner, Microbiology LIVE Channel

Prizes for winners of Poster Presentation

E certificates for all the Participants

Full length papers are invited for publication as Conference Proceedings

सूक्ष्म जीव विज्ञान मानव जाति के लिए वरदान – प्रो विनोद कुमार सिंह

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग तथा माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी , भारत के संयुक्त तत्वाधान में "माइक्रोबायोलॉजी में वर्तमान चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं " विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया | इस वेबिनार में ऑस्ट्रेलिया, बंगलादेश, पाकिस्तान, नेपाल, अर्मेनिआ, श्रीलंका सहित छह देशो के प्रतिनिधिओ ने भाग लिया | भारत के 23 राज्यों के 725 प्रतिभागियों ने इस वेबिनर में पंजीयन करवाया था | वेबिनार में अध्यक्षीय भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनोद कुमार सिंह ने कहा कि माइक्रोबायोलॉजी एक ऐसा विज्ञान है जो मानव और सभी जीवित प्राणियों के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करता है और सूक्ष्मजीव पृथ्वी को रहने योग्य ग्रह बनाने के लिए जिम्मेदार है । उन्होंने कहा कि सूक्ष्म जीव हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं क्योंकि वे हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करते हैं - वे हम में, हम पर और हमारे आसपास हर जगह हैं । वर्तमान कोविड महामारी की स्थिति में, विज्ञान का यह क्षेत्र मानव जाति के लिए वरदान साबित हुआ है ।

इस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार मे देश व विदेश से ख्यातिनाम शिक्षाविदो व वैज्ञानिक ने बीज वक्ता के तौर पर व्याख्यान दिये जिनमे प्रमुख रूप से प्रो॰ अरविंद देशमुख , अध्यक्ष माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी, इंडिया, प्रो॰ तांजिमा यासमीन, राजशाही विश्वविद्यालय, बांग्लादेश, प्रो. आशीष भटनागर , विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय , अजमेर, प्रो. मोनिका भटनागर , महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, डॉ॰ सर्वेश सोनी, सीनियर साइंटिस्ट एंड फाउंडर डायरेक्टर, आर.एम.आई.टी. टेक्नालजी एंड एंटर्प्रिन्यरशिप नेटवर्क एंड क्लब, आर.एम.आई.टी विश्वविद्यालय, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया व प्रो. प्रवीण गहलोत, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर थे। प्रो॰ अरविंद देशमुख ने ई-वेस्ट के निस्तारण मे सूक्ष्मजीवों के योगदान पर प्रकाश डाला तथा कहा कि भविष्य में सूक्ष्मजीवों प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे | प्रो. आशीष भटनागर ने मानव गतिविधियों के कारण उत्पन्न पारिस्थिकी असंतुलन को सूक्ष्मजीव के कारण आने वाली आपदाओं के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार बताया | बांग्लादेश की प्रो॰ तांजिमा यासमीन ने कोरोना वाइरस व इसके कारण उत्तपन्न वैश्विक परिस्थितियों तथा चुनौतियां पर प्रकाश डाला गया | प्रो. मोनिका भटनागर ने थार रेगिस्तान मे पाएँ जाने वाले सूक्ष्म शैवालो व अन्य सूक्ष्मजीवों के कृषि , चिकित्सा, बायो फ्यूल, जैव उपचार आदि मे उपयोगिता तथा अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला | डॉ॰ सर्वेश सोनी ने बताया की वे माइक्रोबियल टेक्नोलोजी तथा नैनोटेक्नोलोजी के अनुप्रयोग से पानी के शुद्धिकरण के विषय में कार्य कर रहे है | इस कार्य को ऑस्ट्रेलिया के सरकार ने अति महत्वपूर्ण मानते हुए कई करोड़ डॉलर का अनुदान दिया है | प्रो. प्रवीण गेहलोत ने रोगकारक कवको के उपचार में खेजड़ी से प्राप्त प्रोटीन के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी |

वेबिनार के आरंभ में विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार छंगानी ने सभी वक्ताओ तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए जीव मात्र तथा पर्यावरण में सूक्ष्मजीवो के महत्व को प्रतिपादित किया | विभाग के डॉ गौतम कुमार मेघवंशी ने वेबिनार के उद्देश्यों तथा महत्व पर प्रकाश डाला | इस वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों ने ई - पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया | विज्ञान संकाय के डीन प्रो. राजाराम चोयल तथा प्रो प्रवीण गहलोत ने पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका का निर्वहन किया |प्रतियोगिता में आनंद कृषि

विश्वविद्यालय, गुजरात के सुब्रत हती ने प्रथम, म.ग.सि. विश्वविद्यालय के एजाज अहमद द्वितीय तथा नार्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय मेघालय के सुजीत दास तृतीय स्थान प्राप्त किया | कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मेश हरवानी ने किया | कार्यकम के अंत में वेबिनार के आयोजन समन्वयक डॉ अभिषेक वशिष्ठ ने वक्ताओ तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद् ज्ञापित किया |

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

कौशल विकास एवं उद्यमिता केन्द्र

अंतर महाविद्यालय योग प्रतियोगिता

(पुरुष एवं महिला) 2021-22

दिनांक 8/12/2021 समय 09:00 AM

आयोजनकर्ता

योग विभाग (CESD)

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय

संरक्षक

डॉ. धर्मेश हरवानी	प्रोफेसर विनोद कुमार सिंह	मेघनाथ
निदेशक (CESD) एवं अध्यक्ष	(कुलपति)	सचिव
प्रतियोगिता आयोजन समिति		प्रतियोगिता आयोजन समिति

डॉ॰ भीम राव अंबेडकर सेंटर फॉर मार्जिनलाईज्ड सोसाइटीज

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

तथा

आई॰ क्यू॰ ए॰ सी॰

(म॰ गं॰ सिं॰ वि॰, बीकानेर)

के संयुक्त तत्वाधान मे आयोजित

राष्ट्रीय वेबिनार

'महात्मा ज्योतिबा फुले का समाज सुधार में योगदान'

(शुक्रवार, 26 फरवरी 2021, प्रातः 11: 00 बजे से)

में आप सादर आमंत्रित हैं

संरक्षक

कुलपति
म॰ गं॰ सिं॰ वि॰
बीकानेर

बीज वक्ता

प्रो॰ विनोद चंद्रा
माननीय सदस्य,
प्रबंध मंडल
म॰ गं॰ सिं॰ वि॰
बीकानेर

मुख्य वक्ता

डॉ॰ बी॰ एल॰ सैनी
निदेशक
राजस्थान
हिंदी ग्रंथ अकादमी
जयपुर

निदेशक
आई॰ क्यू॰ ए॰ सी॰

प्रो॰ एस॰ के॰ अग्रवाल
अँग्रेजी विभाग
म॰ गं॰ सिं॰ वि॰
बीकानेर

वेबिनार सचिव

डॉ॰ अंबिका ढाका
इतिहास विभाग
म॰ गं॰ सिं॰ वि॰
बीकानेर

वेबिनार संयोजक

डॉ॰ गौतम कुमार मेघवंशी
निदेशक
डॉ॰ भीम राव अंबेडकर
सेंटर फॉर मार्जिनलाईज्ड सोसाइटीज
म॰ गं॰ सिं॰ वि॰ बीकानेर

Registration Link: https://forms.gle/ygPwYMQVoTEpf9VB9

Google Meet Link: https://meet.google.com/awn-ehzj-jjn

Dr. Bhim Rao Ambedkar Centre for Marginalised Societies
Maharaja Ganga Singh University, Bikaner

Contributions of the Centre to the Society

Dr. Bhim Rao Ambedkar Centre for Marginalised Societies (DrBRACMS) is a premier research Centre established by Maharaja Ganga Singh University, Bikaner in 2017. Its aim is to provide a platform to academicians and civil society activists for understanding the problems of marginalised groups, identify the causes of their marginalisation and suggest policies for their empowerment. The Centre is looking forward to carry out extensive research on the development concerns of the marginalised groups of the Indian society.

Vision

To help develop 'Socially Inclusive Character in the Society, Economy, Politics, Governance and Development

The Centre envisions bridging the gap between different socio-economic sections of the society through investigations and research on the origin, motives, causes, inducement and reasons behind the marginalization, their effects on the different social and economic classes of the society and their involvement in the growth and progress of the country. The knowledge gathered through the Centre will help in formulation of new policies for the betterment of the nation by providing equal opportunities to every deprived section of the society.

Mission

The Centre will strive to understand the process of marginalization of different castes and communities and shall work for socio-economic, educational and cultural amelioration of the marginal societies across the country.

Goals/Objectives

- To conduct research studies on marginals of the society.
- To carry out field work to collect primary data on socio-economic status of the marginal societies.
- To conduct workshops, seminars etc on issues concerning marginals.
- To setup a documentation Centre/Archives on marginals for promotion of research studies.
- To study and analyze the policies and programmes of Govt. of India affecting the situation of marginals.
- To suggest remedies and measure for uplifting the positions of marginals.

Programmes Organized:

As a social responsibility the centre has organized following activities:

The Centre has organized two seminars on the socially relevant topics - **'भारतमेंसामाजिकन्याय,समानतावसमरसताकेसंघर्षमेंबाबासाहबभीमरावअंबेडकरकीभूमिका'** and **'गुरुरविदासजीकेजीवनचरित्रकीवर्तमानमेप्रासंगिकता'**on13th Oct 2018 and 25th Jan 2020, respectively. In this sequence the centre organized a third National Webinar titled "'महातमाज्योतिबाफुलेकासमाजसुधारमेंयोगदान'on 26th Feb. 2021. In this programme lectures on the webinar topic were delivered by two eminent speakers, namely Prof. Vinod Chandra, Member BOM, MGSU and Dr. B. L. Saini, Director, Rajasthan Hindi Granth Academy, Jaipur.

<table>
<tr><td colspan="2">'भारतमेंसामाजिकन्याय,समानतावसमरसताकेसंघर्षमेंबाबासाहबभीमरावअंबेडकरकीभूमिका'</td></tr>
<tr><td>
</td><td>
</td></tr>
<tr><td>Shri Hanuman Singh delivering the keynote speech</td><td>Prof. Shyam Lal delivering the speech</td></tr>
<tr><td>
</td><td>
</td></tr>
<tr><td>Shri Kanhaiya Lal delivering his talk</td><td>Prof. Bhagirath Singh delivering the presidential address</td></tr>
<tr><td colspan="2">'गुरुरविदासजीकेजीवनचरित्रकीवर्तमानमेप्रासंगिकता'</td></tr>
</table>

Dr. G. S. Chauhan garlanding Guru Ravidasji's picture	Dr. Chauhan delivering the keynote speech
'महात्मा ज्योतिबा फुले का समाज सुधार में योगदान'	
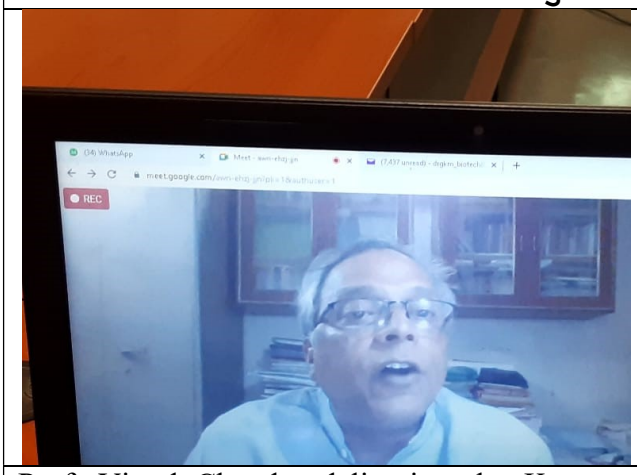	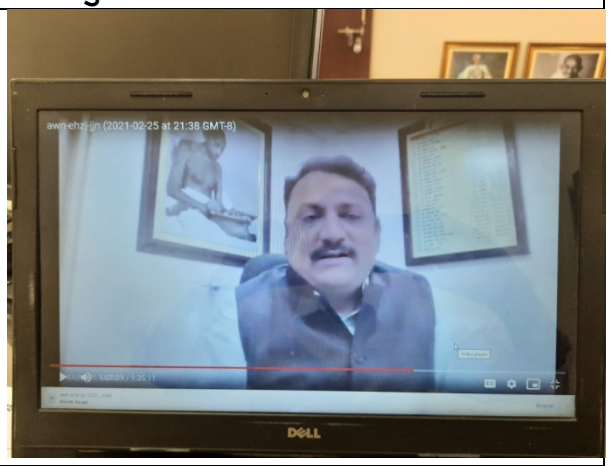
Prof. Vinod Chandra delivering the Key note speech	Dr. B. L. Saini enlightening the audience on the topic
	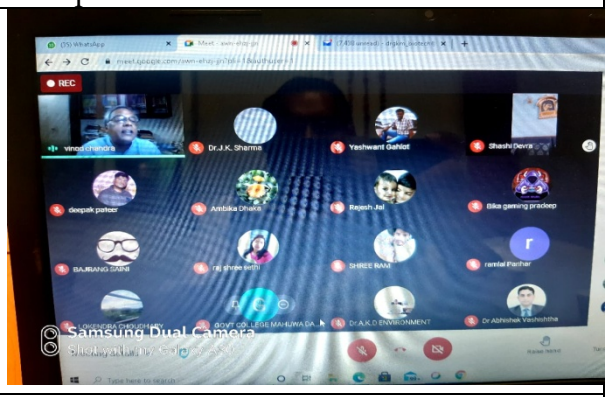
Prof. V. K. Singh delivering the presidential address	Audience attending programme in virtual mode

In the above mentioned programmes people belonging to different marginal sections of the society were also invited along with the faculty members and students from University Teaching Departments and from the affiliated colleges. The programme revealed the valuable

contributions of legendary personalities like Dr. B. R. Ambedkar, Sant Ravi Das ji and Mahatma Jyotiba Phule towards the societal developments in terms of bringing equality, brotherhood and provisions for equal sharing of resources among various sections of Indian society, especially the downtrodden ones. The Centre is also trying to get funds from UGC to utilize that for various academic and research activities as per the goals of the Centre.

Maharaja Ganga Singh University

C. E. S. D
Center
for Entrepreneurship
& Skill Development

YOGA

७वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

के अवसर पर ५ दिवसीय वेबिनार श्रृंखला तथा लाइव सत्रों में आप सभी का स्वागत है

"कोविड -19 महामारी: प्राकृतिक स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में योग का समग्र दृष्टिकोण "

21.06.2021
08:00-09:00AM

मुख्य वक्ता
प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा
(से.नि.) डीन, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर

21.06.2021
09:00-10:00AM (IST)

मुख्य वक्ता
डॉ. लारा शर्मा
सहायक आचार्य, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

22.06.2021
08:00-09:00AM

मुख्य वक्ता
डॉ. अजय पाल
सहायक आचार्य, योग विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा

23.06.2021
08:00-09:00AM

मुख्य वक्ता
डॉ. अमित सिंह
एमडी, इंटीग्रेटिव मेडिसिन कंसल्टेंट, एसोसिएट प्रोफेसर, एस-व्यासा योग विश्वविद्यालय, बैंगलोर

24.06.2021
08:00-09:00AM

मुख्य वक्ता
डॉ. मनोज ठाकुर
प्रबंध निदेशक, व्यासा योग, सिंगापुर

25.06.2021
08:30-09:30AM

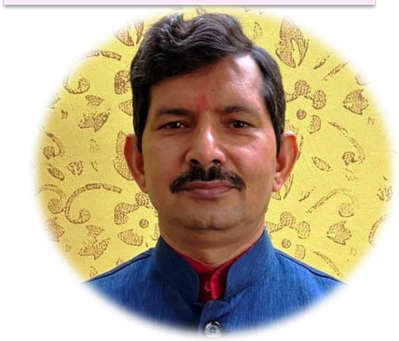

मुख्य वक्ता
डॉ. उमेश बाबू
योगाचार्य, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

सीधा प्रसारण
@MGSU Bikaner
LIVE Yoga
YouTube

- ऑनलाइन माध्यम द्वारा, शामिल होने के लिए नीचे क्लिक करें या ऊपर QR Code स्कैन करें

Cisco webex

https://technicalteam2.webex.com/meet/drharwani

- पंजीकरण के लिए कृपया क्लिक करें: https://forms.gle/8oqw31VJyJU411Y38
- वेबिनार-श्रृंखला के पूर्ण होने पर सक्रिय प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिया जाएगा

मुख्य संरक्षक
प्रो. विनोद कुमार सिंह
माननीय कुलपति

संयोजक
डॉ धर्मेश हरवानी
(निदेशक CESD, समन्वयक योग विभाग)

समन्वयक
मेघनाथ
(अतिथि शिक्षक)

समन्वयक
कोमल महावर
(अतिथि शिक्षक)

समन्वयक
हितेंद्र मारु
(अतिथि शिक्षक)